



॥ श्री महावीराय नमः ॥

॥ श्री वीतरागाय नमः ॥

॥ नमो नाणारस ॥

**Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh-Mumbai***Conducted***MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA -DHARMIK SHIKSHAN BOARD – MUMBAI**

542, Jagannath Shankar Sheth Road, Chira Bazar, 3<sup>rd</sup> Floor, Above Dashshrimali office, Mumbai – 400 002.  
Tel.: 22018629 Website : jaineducationboard.org E-mail : jainshikhshanboard@gmail.com

**६ जान्युआरी २०१९ – जैन शाला प्रश्न पेपर – गुण – १०० समय : ९ से १२**

**श्रेणी – १**

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor'sSignature	

**Marks**

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

**प्रश्न – १**

(३५)

(क) नीचेना पाठनी पूर्ति करो।

(२०)

(१) इरियावहियाअे ..... , ..... , .....  
..... बीयवक्मणे

(२) अन्नत्थ ..... , ..... , .....  
..... जंभाईअेण

(३) मल्लिं वंदे ..... , ..... , .....  
..... , पासंतह

(४) ..... , जावयाणं , ..... , .....  
.....

(५) ..... , न पालियं ..... , .....  
..... , न आराहियं

(ख) कौस मांथी साचो शब्द शोधो। (५)

(झाणेणं, उत्तिंग, भमलीअे, नमो उवज्ज्ञायाणं, पयाहिणं)

- (१) कीडियारा वगेरे जीवोना दर - .....
- (२) प्रदक्षिणा करी ने - .....
- (३) उपाध्याय भगवंतो ने नमस्कार करुं छु. ....
- (४) चक्कर फेर आववाथी - .....
- (५) शुभ ध्यानमां चित्तनी ओकाग्रता करीने - .....

(घ) जोड़का जोड़ो

(१०)

(१) अविराहिओ	(क) मुच्छा आववाथी
(२) उहुओणं	(ख) जीवन थी ज
(३) पायच्छित	(ग) आप कल्याण स्वरूप छो.
(४) जिवियाओ	(घ) विराधना रहित
(५) दग	(च) पाप युक्त आत्माने
(६) कल्लाणं	(छ) ओडकार आववाथी
(७) तस्स	(ज) बे इन्द्रिय वाळा जीव
(८) संघाईया	(झ) पस्तावो
(९) मुच्छाओे	(ट) ओकबीजा ना शरीर अथडाव्या होय
(१०) बेङ्दिया	(ठ) सचेत पाणी

प्रश्न – २ साचु के खोटु ते लखो.

(१५)

(१) जैन ओने कहेवाय जे चार कषायो ने जीतवानो प्रयत्न करे.
(२) भगवान ना ४ भेद (चार भेद) छे.
(३) सिध्ध भगवाने चार कर्म खपाव्या छे.
(४) गुरुजी ने वंदना करो, गुरु आज्ञा दिलमां धरो.
(५) मध्यम, वंदना ओटले मत्थेण वंदामि कही मस्तक झुकावबुं.
(६) सिध्ध भगवान ने शरीर होय छे.
(७) अरिहंत भगवान रोज उंधि (सुई) जाय छे.
(८) साधु – साध्वी माथाना केश हाथे चूंटी लोच करे छे.
(९) आचार्य - आगम भणे छे.
(१०) कुल ३० आगम छे.
(११) तीर्थ नी स्थापना करनार ने तीर्थकर कहेवाय .
(१२) नमो उवज्ञायाणं ना ३६ गुण छे.
(१३) नमो आयस्तियाणं ने ४ (चार) कर्म होय .
(१४) नवकार मन्त्र नुं रटण रातना (रात्रे) न कराय.
(१५) सुहुमेहिं दिट्ठी संचालेहिं ओटले सूक्ष्मपणे आँखो ना संचारथी.

प्रश्न – ३ ओडमेन ने गोळ सर्कल करो।

(१०)

- (१) वासुपूज्य, नेमिनाथ, कुंडकौलिक, सुविधिनाथ
- (२) कौसल्या, पुष्पचुला, मेतार्य, सुभद्रा
- (३) प्रभास, मृगावती, वायुभूति, सुधर्मस्वामी
- (४) चुलणीशतक, नंदीनीपिता, मुनिसुब्रत, महाशतक
- (५) चुलणीपिता, दमयंती, प्रभावती, राजेमती

- (६) देवतत्व, अरिहंत भगवान, महावीर स्वामी, धर्म तत्व
- (७) दुःख, केवली, कर्मबंध, मोक्ष
- (८) नामकर्म, मोहनीय कर्म, गोत्र कर्म, निर्जरा
- (९) वायुकाय, त्रसकाय, जीव, पृथ्वीकाय
- (१०) अचलभ्राता, द्रौपदी, ब्राह्मी, शीवादेवी

प्रश्न – ४ खाली जग्या मां तीर्थकरना नाम / नंबर लखो.

(५)

(१) श्री. सुपार्थनाथ स्वामी	-	.....
(२) .....	-	१७
(३) श्री शीतलनाथ स्वामी	-	.....
(४) .....	-	४
(५) .....	-	२२

प्रश्न – ५ कौंस माथी साचो जवाब लखो.

(५)

- (१) माळा ना ..... (१०८/१०९) मणका होय छे.
- (२) दरिद्र (गरीब) कोण - ..... (धन थी / इच्छा वालो)
- (३) गुच्छो बने छे माराथी ..... (उन / सील्क)
- (४) हंमेशा ..... (ढांकेलु / उघाडु) भोजन करीश.
- (५) विनय ओटले ..... (नम्र / अभिमानी)

प्रश्न – ६ साचा जवाब उपर सर्कल (गोल) करो

(५)

- (१) मुहपति वापरवाना फायदा.
  - (अ) तेनाथी अपकाय ना जीवो नी रक्षा थाय.
  - (ब) तेनाथी वायुकाय ना जीवो नी रक्षा थाय.
  - (क) तेनाथी पृथ्वीकाय ना जीवो नी रक्षा थाय.
- (२) श्रीमंत कोण?
  - (अ) जेनी पासे हीरा होय.
  - (ब) जेनी पासे पैसा होय.
  - (क) जेनी पासे संतोष होय.
- (३) शूरवीर कोण?
  - (अ) मन ने जीते ते.
  - (ब) लडाई जीते ते.
  - (क) सिंह ने मारे ते.
- (४) धर्म नुं मूळ शुं छे?
  - (अ) अभिमान.
  - (ब) स्वाभिमान.
  - (क) विनय.

- (५) द्रष्टी विवेक शुं छे?
- (अ) खराब काम ना जोवाय.
- (ब) खराब काम जोवा.
- (क) खराब वातो ना संभलाय.

प्रश्न-७ साचु के खोटु जबाब लखो अने खोटा वाक्य ने सुधारे (१५)  
(१) महावीर स्वामी ना माता नुं नाम त्रिशालाराणि हतुं.

(२) महावीर स्वामीनो जन्म महोत्सव ६८ इन्द्रो द्वारा मेरु पर्वत पर उजववामां आव्यो.

(३) महावीर स्वामीना मोटा भाई नु नाम वर्धमान हतु.

(४) तिंदुषक नामे रमत मां हारनारे जीतनारने पोताना खभा पर बेसाडवा पडे.

(५) सर्प मरी ने देव थयो.

(६) अमरकुमारे श्रेणीकराजा पासे धन मांग्यु.

(७) सिध्धार्थ राजा मगथ देश ना राजा हता.

(८) अतिमुक्त ना पिता राजा विजयसेन हता

(९) अतिमुक्त कागळ नी नाव नदीमां नाखी रम्या.

(१०) अमरकुमार ने नवकारमंत्र पर श्रधा हती.

(११) माळा गणवाथी मन शांत थाय छे.

(१२) अनुपूर्वी फेरववाथी याद शक्ति वधे.

(१३) विनय थकी विद्या दीपे.

(१४) मातापिता ठपको आपे तो अेमनी सामे थवाय.

(१५) हुं कदी खोदु (जुडु) नही बोलु.

प्रश्न -८ नीचे मांथी साचो जवाब शोधो.

(१०)

- (१) महावीर ना संतान छे. \_\_\_\_\_  
(अ) भाई महावीर ना संतान छे.  
(ब) देव अमारा अरिहंतो ने  
(क) गुरु अमारा निग्रंथो
- (२) अरिहंतो जिनेश्वर जे \_\_\_\_\_  
(अ) वर्या छे ज्ञान केवल ने  
(ब) जीतीने राग- द्वेषो ने  
(क) नमुं छुं भाव थी तेने
- (३) सकल मंगल मही मंगल \_\_\_\_\_  
(अ) प्रभू ते पंच परमेष्ठि  
(ब) नमुं छुं भाव थी तेने  
(क) प्रथम मंगल गणु जेने
- (४) जगत ना मोह मारी ने \_\_\_\_\_  
(अ) नमुं छुं भाव थी तेने  
(ब) गुंथाया आत्मशुद्धिमा  
(क) अखिल लोके मुनिराजो
- (५) नाना नाना भूलका \_\_\_\_\_  
(अ) जाणे गुलाब फुलडा  
(ब) चालो आपणे जईओ  
(क) महावीर ना शासन मा
- (६) हसता रमता रहीओ \_\_\_\_\_  
(अ) संपसेवा साधीओ  
(ब) महावीर ना शासन मा  
(क) गुस्सो नही करीओ.
- (७) करीने भस्म कर्मा ने \_\_\_\_\_  
(अ) वळी चे सिध्ध परमात्मा  
(ब) नमुं छु भावथी तेने  
(क) विराजे मुक्ति पद मा जे
- (८) जीवबुं छे तो धर्म ने शा माटे \_\_\_\_\_  
(अ) मरबुं छे तो धर्म ने माटे  
(ब) तन मन धन कुरबान छे.  
(क) भाई महावीर ना संतान छे.

(९) आपणे बनवुं गौतम \_\_\_\_\_

- (अ) आपणे बनवुं महावीर
- (ब) जंबू जेवा धईअे
- (क) महावीर ना शासन मां

(१०) नवतत्वो नुं ज्ञान छे भाई \_\_\_\_\_

- (अ) महावीर ना संतान छे.
- (ब) रंग लाग्यो छे रग रग मां
- (क) श्रद्धा भरी छे अंतर मां ने

..... जय जिनेन्द्र .....